भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2231
12 मार्च, 2025 को उत्तर देने के लिए

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अनुसंधान को बढ़ावा देना

2231. श्रीमती रूपकुमारी चौधरीः

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) छत्तीसगढ़ में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत संस्थाओं के नाम क्या हैं**;**

(ख) क्या सरकार छत्तीसगढ़ में सीएसआईसीआर का अनुसंधान संस्थान स्थापित करने पर विचार कर रही है और यदि हां**,** तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है**;**

(ग) राज्य में कृषि में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए बनाई जा रही योजनाएं क्या हैं**;** और

(घ) छत्तीसगढ़ में स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

उत्तर
विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) से (ख): मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले सभी विभागों सहित केंद्र सरकार के कई संगठन छत्तीसगढ़ राज्य में विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान का प्रोत्साहन करने हेतु कार्यरत हैं। मंत्रालय के पास अनुसंधान संस्थानों की स्थापना के लिए कोई राज्य-विशिष्ट योजना नहीं है और विभिन्न संगठन अखिल भारतीय स्तर पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देते हैं।

(ग) वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) छत्तीसगढ़ राज्य में सीएसआईआर अरोमा मिशन और सीएसआईआर फ्लोरीकल्चर मिशन को क्रियान्वित कर रहा है तथा सुगंध, स्वाद, सुगंध अणुओं और मूल्यवर्धित उत्पादों के लिए सुगंध और पुष्पकृषि फसलों की खेती, प्रसंस्करण और विपणन में किसानों और उद्यमियों को सहायता प्रदान कर रहा है। विवरण अनुलग्नक-I में दिया गया है।

(घ) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) छत्तीसगढ़ में स्टार्टअप्स और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अपनी विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से अनेक प्रयास कर रहा है। विवरण अनुलग्नक-II में दिया गया है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) अपनी जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान नवाचार और उद्यमिता विकास (बायो-राइड) योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ सहित देश में जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा दे रहा है।

अनुलग्नक- I

<u>सीएसआईआर अरोमा मिशन</u>

- औषधीय और सुगंधित पौधों की खेती और प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए बस्तर और छत्तीसगढ़ के अन्य क्षेत्रों के विभिन्न गांवों में जनजातीय किसानों के लिए 15 प्रशिक्षण-सह-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।
- युवाओं और महिलाओं सहित 814 जनजातीय किसानों को सुगंधित फसलों की खेती, आसवन और विपणन के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया गया। बस्तर क्षेत्र में मालगांव, देउरभाल, निलिजी, भामनी और मयूरडोंगर में सुगंधित फसलों की खेती और प्रसंस्करण के लिए जनजातीय क्लस्टर बनाये गये हैं।
- बस्तर क्षेत्र के कोंडागांव और जगदलपुर जिलों में सीएसआईआर अरोमा मिशन के तहत जनजातीय किसानों को लेमनग्रास की उच्च उपज देने वाली किस्म सीआईएम-कृष्णा की 25 लाख कलम वितरित की गईं। जनजातीय किसानों की भागीदारी में 208 हेक्टेयर भूमि पर लेमनग्रास और अन्य सुगंधित फसलों की खेती की जा रही है।
- छत्तीसगढ़ में 500 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रों को सुगंधित फसलों की खेती के अंतर्गत लाया गया है।
- सीएसआईआर अरोमा मिशन के अंतर्गत जनजातीय किसानों के खेतों पर सुगंधित जड़ी-बूटियों के प्रसंस्करण/आसवन के लिए पांच उन्नत आसवन इकाइयां स्थापित की गई हैं ताकि आवश्यक तेल निकाला जा सके।

<u>सीएसआईआर फ्लोरीकल्चर मिशन</u>

- पुष्प-कृषि आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए दांतेवाड़ा में तीन जनजातीय क्लस्टर बनाये गये हैं।
- 49 लाभार्थियों के लिए तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।
- बैरवबंद, भोगम और तुधपरास गांवों में 50000 गेंदे की जड़ वाली कलमें, 100 बिक्सा पौध और 500 हिबिस्कस कलमें वितरित की गईं।
- दंतेवाड़ा में जैवउर्वरक उत्पादन इकाई को चलाने के लिए तकनीकी सहायता दी गई है।

अनुलग्नक - II

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई में एक प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र (टीआईएच) की स्थापना की गई है जो राष्ट्रीय अंतःविषयात्मक साइबर-भौतिक प्रणाली मिशन (एनएम-आईसीपीएस) के तहत वित्तीय प्रौद्योगिकियों (फिनटेक) पर ध्यान केंद्रित करेगा। टीआईएच का उद्देश्य विभिन्न शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों जैसे एनआईटी रायपुर, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर, अंबागढ़ चौक में सरकारी एल.सी.एस. पीजी कॉलेज, राजनंदगांव में सरकारी दिग्विजय स्वायत्तशासी पीजी कॉलेज, एम्स रायपुर आदि के साथ सहयोगी परियोजनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देना और क्षेत्र के प्रौद्योगिकीय विकास में योगदान करना है।

- एनएम-आईसीपीएस के तहत सहायित आईआईटी रोपड़ प्रौद्योगिकी एवं नवाचार फाउंडेशन (आईहब - एडब्लूएडीएच) छत्तीसगढ़ में कृषि चुनौतियों से निपटने, उत्पादकता स्थिरता बढ़ाने और कृषि नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अपने कार्यनीतिक कार्यक्रम अनुसंधान नवाचार और अगली पीढ़ी की तकनीक-व्यावसायीकरण (स्प्रिंट) योजना के माध्यम से स्टार्टअप को इनक्यूबेशन, फंडिंग और मेंटरशिप प्रदान कर रहा है। राज्य में टीआईएच द्वारा सहायित प्रसिद्ध स्टार्टअप में विजडमट्री एडुटेक एलएलपी, स्काईका टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और एग्री मैट्रिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं।

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई, राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (एनक्यूएम) के तहत क्वांटम संचार के लिए विषयगत हब के अंतर्गत सदस्य संस्थानों में से एक है। छत्तीसगढ़ राज्य में क्वांटम प्रौद्योगिकी पारितंत्र के सुदृढीकरण और उभरते क्वांटम क्षेत्रों में उद्यमियों, शोधकर्ताओं और शैक्षणिक संस्थानों को सहायित करने हेतु स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा देने के प्रयास चल रहे हैं।

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आधारित उद्यमिता और स्टार्टअप पारितंत्र को बढ़ावा देने के लिए 2016 में राष्ट्रीय नवाचार विकास और दोहन पहल (निधि) के तहत, डीएसटी ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर में निधि प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर (टीबीआई) की स्थापना की है। छत्तीसगढ़ राज्य में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर, डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, कोटा, बिलासपुर और छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई में 3 निधि आईटीबीआई की स्थापना की गई।

- डीएसटी ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधारित अनुसंधान और नवाचार के प्रोत्साहन तथा शोधकर्ताओं को अन्य संस्थानों, राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं और उद्योग के साथ नेटवर्क बनाने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर में एक प्रौद्योगिकी सक्षम केंद्र (टीईसी) की स्थापना की है।

*****